**भारत सरकार**

**कृषि मंत्रालय**

**कृषि और सहकारिता विभाग**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1120**

**23 मार्च, 2012 को उत्‍तर के लिए देय**

**किसानों की दशा**

**1120. डा.ज्ञान प्रकाश पिलानियां:**

 **क्‍या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्‍या किसानों की सामाजिक आर्थिक स्‍थिति बहुत की दयनीय है जिनका देश की जनसंख्‍या में 2/3 हिस्‍सा है;

(ख) यदि हां, तो क्‍या उनकी वास्‍तविक स्‍थिति का पता लगाने हेतु कोई सर्वेक्षण कराया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है और यदि नहीं, तो इसके कारण क्‍या हैं;

(घ) क्‍या इन किसानों का एक बड़ा प्रतिशत अपने परिवारों को उचित रूप से भोजन भी उपलब्‍ध नहीं करा पाता है;

(ड.) इस संबंध में डा. स्‍वामीनाथन की क्‍या समुक्‍तियां हैं, और

(च) क्‍या 40 प्रतिशत किसान खेती छोड़ना चाहते है, 26 प्रतिशत कृषि को अलाभकारी मानते हैं और 8 प्रतिशत इसे निहायती जोखिमपूर्ण मानते हैं?

**उत्‍तर**

**कृषि मंत्री (श्री शरद पवार)**

(क)से(च) राष्‍ट्रीय प्रतिदर्श नमूना कार्यालय(एनएसएसओ) ने भारतीय किसानों के एक सघन सामाजिक आर्थिक अध्‍ययन का स्‍थिति मूल्‍यांकन सर्वेक्षण किया है जिसमें अन्‍य बातों के साथ-साथ, शैक्षिक स्‍तर, जीवन स्‍तर,खेती व्‍यवसाय, उत्‍पादक परिसम्‍पत्‍तियों का अधिपत्‍य, आधुनिक प्रोद्यौगिकी के प्रति जागरूकता एवं पहुंच, संसाधन उपलब्‍धता, ग्रामीण क्षेत्रों में जनवरी –दिसम्‍बर 2003 के दौरान ऋणग्रस्‍तता को शामिल किया गया । अखिल भारतीय स्‍तर पर संरक्षण के परिणामों के दिशानिर्देश निम्‍नलिखित है:

\* अनुमानित 27 प्रतिशत किसान खेती को पसन्‍द नही करते हैं क्‍योंकि यह लाभप्रद नही था । कुल मिलाकर,40 प्रतिशत किसान महसूस करते थे कि रूची के अनुकूल वे कुछ अन्‍य व्‍यवसाय को प्रारम्‍भ करना पसन्‍द करेंगे ।

\* कृषक परिवारों के लिए औसत मासिक प्रति व्‍यक्‍ति उपभोग व्‍यय(एमपीसीई) सभी ग्रामीण परिवारों के लिए 554.15 रुपये की तुलना में 502.83 रुपये (9.3 प्रतिशत से कम) था

\* 89.35 मिलियन कृषक परिवारों में से, 43.42 मिलियन परिवार(48.6 प्रतिशत) ऋणग्रस्‍त पाये गये ।

\* फार्म व्‍यापार में पूंजी लगाने अथवा मौजूदा व्‍यय के प्रयोजन के लिए 50 प्रतिशत से अधिक ऋणग्रस्‍त कृषक परिवारों ने लोन लिये थे । राशि धारकों(26 प्रतिशत) के साथ-साथ बकाया ऋण राशि की प्रतिशता के मद में ऋण का सबसे महत्‍वपूर्ण स्रोत बैंक (36 प्रतिशत) था ।

 डा. एम.एस.स्‍वामीनाथन की अध्‍यक्षता में गठित राष्‍ट्रीय कृषक आयोग ने स्‍वीकार किया है कि कृषि पर जनसंख्‍या के गैरअनुपातिक दबाव के परिणामस्‍वरूप फार्म क्षेत्र में प्रति व्‍यक्‍ति कम आय हुई है तथा फार्म क्षेत्र में प्रति व्‍यक्‍ति आय के बीच असमानता उत्‍पनन हुई है । हालांकि, अनेक बाधाएं जैसे छोटे एवं सीमान्‍त जोतो की बाहुल्‍यता, बाजार परिस्‍थितयों की अपूर्णता एवं बैकवर्ड फारवर्ड समन्‍वयों की कमी प्रतिकूल रूप से किसानों के आय स्‍तरों को प्रभावित करती है ।